राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड

1165. श्री अजीत जोगी :

कुमारी आलिया :

क्या पर्यावरण और वन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड वृक्षारोपण पौधशालाओं के विकास तथा वानिकी में जनता की भागीदारी से संबंधित अपने कार्यक्रमों में असफल रहा है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ग) यदि हां, तो भू-क्षरण तथा वृक्षों की कटाई को रोकने तथा इस कार्यक्रम में जनता को शामिल करने की दृष्टि से परती भूमि पर वृक्षारोपण करने की योजना का ब्यौरा क्या है ?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कमल नाथ) (क) जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड की स्थापना 1985 में की गई थी और उसे जन-सहभागिता को लेकर वनीकरण और वृक्षारोपण के बृहत कार्यक्रम के माध्यम से परती भूमि का विकास शुरु करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। 20 सूत्री कार्यक्रम के सूत्र स. 16 के अन्तर्गत वनीकरण/वृक्षा रोपण कार्यकलापों की प्रगति का समन्वय और अनुवीक्षण करने के लिए बोर्ड केन्द्र स्तर पर भी एक प्रमुख एजेंसी है।

सातवीं पंचवर्षीय योजना (1985–90) के दौरान देश में वनीकरण और वृक्षारोपण कार्यकलापों के अन्तर्गत शामिल किया गया कुल क्षेत्र 8.8 मिलियन हैक्टेयर था जबकि लक्ष्य 8.6 मिलियन हैक्टेयर रखा गया था। वर्षवार लक्ष्य और उपलब्धियां निम्न प्रकार हैं :—

वनीकरण/वृक्षारोपण (मिलियन हैक्टेयर में)

वर्ष	1985–86	1986–87	1987–88	1988–89	1989–90
लक्ष्य	1.45	1.71	1.79	2.00	1.68
निष्पादन	1.51	1.76	1.77	2.12	1.71
उपलब्धि	104.1%	102.9%	98.0%	106.0%	101.7%

वर्ष 1950 से 1985 तक की समस्त पूर्वयोजना अवधियों में कुल 8.2 मिलियन हैक्टेयर क्षेत्र पर कार्यकलाप चलाए गए।

जन-सहभागिता को प्रोत्साहित करने की दृष्टि से राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड ने वर्ष 1986–87 के दौरान विकेन्द्रित जन-पौधशालाओं की स्कीम आरम्भ की। सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान पौधशालाओं ने 140 करोड़ पौध उगाई जबकि लक्ष्य 106 करोड़ पौधे का रखा गया था। स्वैच्छिक एजेंसियों को वनीकरण और परती भूमि विकास कायकलाप चलाने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए बोर्ड ने 1985 में अनुदान सहायता स्कीम भी शुरू की थी। सातवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान इस स्कीम के अन्तर्गत स्वैच्छिक एजेंसियों को देश के विभिन्न भागों में 336 परियोजनाएं चलाने के लिए 16.30 करोड़ रुपए की धनराशि प्रदान की गई।

परती भूमि विकास कार्यक्रम भू-क्षरण रोकने, परती भूमि को सतत उपयोग हेतु तैयार करने बायोमास, विशेषकर इंधन

लकड़ी और चारे की उपलब्धता में वृद्धि करने तथा जन-सहभागिता को बढ़ावा देने पर लक्षित है। कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय परती भूमि विकास बोर्ड द्वारा निम्नलिखित स्कीमें कार्यान्वित की जा रही हैं :—

1. समेकित परती भूमि विकास परियोजनाओं की स्कीम ।

2. ईंधन लकड़ी चारा परियोजनाओं की स्कीम ।

3. विकेन्द्रित जन-पौधशाला स्कीम ।

4. सीमांत धन सहायता स्कीम ।

5. औषधीय पौधों सहित लघु वनोपज पैदा करने की स्कीम ।

6. बीज विकास स्कीम ।

7. हवाई बीजारोपण स्कीम ।

8. अनुदान सहायता स्कीम (स्वैच्छिक एजेंसियों के लिए) ।

परती भूमि विकास कार्यक्रम मुख्यतः राज्य सरकारों, जिन्हें अनुवीक्षण कार्यतंत्र को सुदृढ़ करने और बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है, के माध्यम से नए उत्साह और जोर-शोर से कार्यान्वित किया जा रहा है। आठवीं पंचवर्षीय योजना, जिसे कि अंतिम रूप दिया जा रहा है, के दौरान कार्यक्रम का व्यापक रूप में विस्तार किए जाने का प्रस्ताव है।

Production of Fireworks

1166. SHRI B.K. HARIPRASAD : Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) what is average annual production of fireworks indicating its value and number of people employed, what is the quantum of pollutions gnerated each year by use of these fireworsk;

(b) what is the approximate quantity of pollutions generated during Diwali week in Delhi by these fireworks, whether Government propose to put heavy taxes on the use of fireworks and also initiate educational programmes for minimum use thereof ; and

(c) whether it is a fact that many lives are lost each year due to accident apart from occupational health hazards and if so, the details thereof during 1989-90?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH) : (a) and (b) The production of fireworks is in the cottage industry and mostly concentrated around Sivakasi in the Kamaraja District of Tamil Nadu. According to the available information, about 3 lakh people are working in about 300 units in the Sivakasi area. The average annual production of fireworks is not available since most of it is in the unorganised sector. The emission from fire works contains o^des of nitrogen and sulphur, and peroxides of potassium, barium and strontium. However, the actual quantum of chemical pollutants released has not determined. The noise pollution was monitored at Tiniarpur, Delhi during the afternoon, evening and night periods during Diwali in 1989. The noise levels were much higher than the normal levels.

There is presently no prposal to increase the duty on fireworks. Each year, prior to Diwali, on behalf of the Government, appeals are made to the public through the mass media for taking necessary precautions against accidents and health hazards arising from fire works.

(c) Information on the number of lives lost each year due to accidents is not available with Government. However in 1989-90 there were 141 minor fires and 1 medium fire in Delhi during Diwali. At Diwali night and early next morning of 1989 Diwali, the air was polluted due to smoke generated from fire works under conditions favouring inversion.

Hospital on rails

1167. SHRI KRISHAN LAL SHARMA: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that country's first hospital on the rails "Life Line Express" has no specialists of its own;

(b) if so, what are the reasons therefor;

(c) whether it is also a fact that it has resulted in dislocation in the functioning of hospitals where the 'Life Line Express' is stationed; and

(d) if so, what steps are being taken to overcome these drawbacks ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRIMATI D.K. THARA DEVI SIDDHARTHA) :

(a) No, Sir. Professional and medical organisation are providing medical skills.

(b) Does not arise.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.